



### List of New Course(s) Introduced

Department : **Hindi**


Programme Name : **B.A.**

Academic Year : **2018-19**

### **List of New Course(s) Introduced**

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
1.	AR/HIN/C-101	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2.	AR/HIN/C-102	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3.	AR/HIN/C-201	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता
4.	AR/HIN/C-202	आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)
5.	AR/HIN/C-301	छायावादोत्तर हिन्दी कविता
6.	AR/HIN/C-302	भारतीय काव्यशास्त्र
7.	AR/HIN/C-303	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8.	AR/HIN/C-401	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
9.	AR/HIN/C-402	हिंदी उपन्यास
10.	AR/HIN/C-403	हिन्दी कहानी
11.	AR/HIN/C-501	हिन्दी नाटक एवं एकांकी
12.	AR/HIN/C-502	हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ
13.	AR/HIN/C-601	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता
14.	AR/HIN/C-602	प्रयोजन मूलक हिन्दी

15.	DSEC-1	लोक साहित्य
16.	DSEC-2	राष्ट्रीय काव्यधारा
17.	DSEC-3	छायावाद
18.	DSEC-4	प्रेमचन्द
19.	AR/AIN/GEC/101	कला और साहित्य
20.	AR/AIN/GEC/102	आधुनिक भारतीय साहित्य
21.	AR/AIN/GEC/201	पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन एवं हिंदी साहित्य
22.	AR/AIN/GEC/202	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र
23.	AEC-1	हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण
24.	AEC-2	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण
25.	SEC-1	रचनात्मक लेखन
26.	SEC-2	हिंदी सिनेमा

  
 अध्यक्ष/HOD  
 हिन्दी विभाग / Department of Hindi  
 गुरु जगदीश चिन्मियालय / G. C. V  
 किलासपुर (छ.ग.) / Khaspur (C.G.)



## Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

**Academic Year : 2018-19**

**School : Arts**

**Department : Hindi**

**Date and Time : JUNE 30, 2018 - 10:00 AM**

**Venue : E-Class Room**

### अध्ययन मंडल (BOS)की बैठक का कार्यवृत्त

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा के लिए पाठ्यक्रम निर्माण के उद्देश्य से कला अध्ययनशाला के अंतर्गत हिन्दी विभाग में अध्ययनमंडल की बैठक आहूत की गयी जिसमें निम्नलिखित सदस्य भागीदार रहे-

- 1- डॉ.रमेश कुमार गोहे (विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष. अध्ययन मंडल)
- 2- डॉ. वीरेंद्र मोहन (वाह्य विशेषज्ञ)
- 3- श्री मुरली मनोहर सिंह, सदस्य (सहा.प्रा.)

- बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार किया गया -
- पूर्व स्वीकृत CBCS प्रणाली की यथावत स्वीकृति
- स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम की यथावत स्वीकृति
- DSEC, GEC,AECC,SEC. को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है
- समिति की बैठक में पाठ्यक्रम की CBCS प्रणाली पर परिचर्चा करते हुए अपनी सहमति प्रदान की। निम्नलिखित नई पाठ योजनाओं को स्नातक प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया-

DSEC:- लोक साहित्य AR/HIDS0501L

राष्ट्रीय काव्यधारा AR/HIDS0502L

छायावाद AR/HIDS0601L

प्रेमचंद AR/HIDS0602L+T

GEC :- कला और साहित्य AR/AIN/GEC-101

आधुनिक भारतीय साहित्य AR/AIN/GEC-102

पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन एवं हिन्दी साहित्य AR/AIN/GEC-201

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम AR/HIGE0401L

AECC :- हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण HNAECC101T

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण HNAECC102T

SEC:- रचनात्मक लेखन AR/HISCO301L

साहित्य और हिन्दी सिनेमा AR/HISCO401L

  
अध्यक्ष/ HOD  
हिन्दी विभाग/ Department of Hindi  
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय/ G. G. V  
बिलासपुर (छ.ग.)/ Bilaspur (C.G.)  
Signature & Seal of HoD



गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर छ.ग.

हिंदी विभाग

कला संकाय



सत्र 2018-19 एवं क्रमशः

हेतु

संचालित पाठ्यक्रम

स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के चयन स्तरीय प्रणाली

( **choice based credit system** )

की सत्रीय व्यवस्था युक्त



## हिंदी विभाग

### गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय वि.वि.) बिलासपुर छ.ग.

विश्वविद्यालय पत्र 185/अका/अ.म./हिंदी/2018 बिलासपुर दिनांक 12-06-18 के अनुसार हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम अध्ययनमंडल के सदस्यों के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

बैठक तिथि 30 जून 2018

समय 10:00 बजे

अध्ययनमंडल के सदस्य :

1. डॉ. रमेश कुमार गोरे  
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग - अध्यक्ष - अध्ययनमंडल *Pama*  
30/06/18
2. प्रो. बरिंद्र मोहन  
डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. सागर म.प्र. - बाह्य विषय विशेषज्ञ अध्ययनमंडल
3. श्री मुरली मनोहर सिंह  
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग - सदस्य - अध्ययनमंडल *Murli*  
30/06/18



## हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

**B.A. (HONOURS) HINDI CBCS** पाठ्यक्रम प्रारूप  
(सत्र 2018-19)

### CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (सैलिक्यूल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पारश्वात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिंदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी

### DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

- 1- लोक साहित्य
- 2- राष्ट्रीय काव्यधारा
- 3- छायावाद
- 4- प्रेमचन्द



### GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पारम्परिक दार्शनिक विचार एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

### ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

1. हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण - प्रथम सेमेस्टर
2. हिन्दी भाषा और संप्रेषण - द्वितीय सेमेस्टर

### SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

1. रचनात्मक लेखन - द्वितीय सेमेस्टर - प्रथम सेमेस्टर
2. साहित्य और हिन्दी सिनेमा - द्वितीय सेमेस्टर - प्रथम सेमेस्टर

### वि.वि.प्रवेश परीक्षा

#### पाठ्यक्रम

- बी.ए.आनर्स हिंदी
- एम.ए.हिंदी

### वि.वि.शोध प्रवेश परीक्षा

#### पाठ्यक्रम

- प्री पीएच.डी.

विभागाध्यक्ष  
हिन्दी विभाग  
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर



REVISED SYLLABUS OF CBCS  
B.A.(HONOURS) (HINDI)  
CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (शीतिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पश्चात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिंदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी





पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-101

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल
  - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
  - रासो काव्य, लीकिक साहित्य
- भक्तिकाल
  - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  - संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य
- रीतिकाल
  - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-102

2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक  
पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण  
भारतेन्दु युग  
द्विवेदी युग  
छायावाद  
प्रगतिवाद  
प्रयोगवाद  
नई कविता  
सम्कालीन कविता
- हिंदी गद्य का विकास :  
स्वातंत्र्य पूर्व हिंदी गद्य  
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-201  
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

1. विद्यापति - दो पद
  1. बंसी नादुरी-  
( नंदक नंदन कवचक राकार.....)
  - ~~.....~~
  - ( मधुवं डंगर रहल दुरदेस.....)
  - (विद्यापति - शिव प्रसाद सिंह)

*बदल गिला -  
कुन भक्त से नाल मोल दे*
2. कबीर - दो पद-
  1. बीनी- बीनी बीनी- कवचिण
  2. मोको कहँ दूदे रे बदे

*कबीर भूषी  
- शकरी वंगर देहा टकारा  
- अनरुख ले नस*

**संदर्भ-** (कबीर उधावली - श्याम सुंदर दास)
3. ज्ञानदास - नाममती वियोग खण्ड से दो पद
  1. नाचन्ती चितउर पथ हेरा.....
  2. कातिक सरद उजियारी.....

*चपनवा  
मालागोद कस*

**संदर्भ-** पद्मनाभत (नाममती वियोग खण्ड - स. रामचन्द्र शुक्ल)
4. भ्रमरदास - 1. भ्रमरगीत सार - एक पद  
आयो धीप बडे टयापारी
 

*भ्रमरगीत सार  
- किनु गुपाल बेरिन भई  
- उमारे ही उरिल सी -*

**संदर्भ-** (भ्रमरगीत सार - स. रामचन्द्र शुक्ल)

मैया मोहि दाके कथा विद्यापी

**संदर्भ-** (सूरसागर)

*कुकु उदे, करत कुसाज...  
को कहे करत नसा ज प्रेमाजगदी*
5. तुलसीदास - अवधेश के द्वारे सकारे गई - कवितावली (बालकाण्ड)
 

*शालचील सात सितमन*
6. रहीम - खेरी न किसान को बिखारी को न भीख, बलि- (विद्यापति) कवितावली
  1. रहिमन धागा प्रेम का
  2. रहिमन देखि बडेन को
  3. रहिमन विषदा हूँ भली
  4. रहिमन निजमन की व्यथा
  5. रहिमन प्रीति सराहिदे मिलत होत रंग दू

*अगरकेन खिन मूल मीन  
- देखि आप नकाइ कफ मे  
- ए उर दो पोच हें  
- फली सीप भुका मुख  
- मारण उमनी हाय सी*



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-202

4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

1. आरसोदु - 1. रोवहूँ लख मित्रिके (भारत दुर्दशा नाटक से)

श्रीधर काव्य कर्मसूत्र

2. हरिऔध - 1. दिवस का अवसान समीप था (प्रिय प्रवास - प्रथम सर्ग)

भारत के 19 दूर

3. मैथिलीशरण गुप्त - 1. दोनों ओर प्रेम पलता है। (साकेत के नवम सर्ग से)

भारत के 19 दूर

4. ज्ञाननरेश त्रिपाठी - 1. मातृभूमि की जय हो (मानसी - काव्य संग्रह से)

5. जयशंकर प्रसाद - 1. बीली-विनादरी जाग से (लहर - काव्य संग्रह से)

लहर का 1-10 का 1

6. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - 1. मिथुन (लहर - काव्य संग्रह से)

लहर का 1-10 का 1

7. सुमित्रानंदन पंत - 1. परिवर्तन (लहर - काव्य संग्रह से)

लहर का 1-10 का 1

8. महादेवी वर्मा - 1. मैं नीर मरी दुःख की बदली (दीपशिखा - काव्य संग्रह से)

मधुर मधुर मेरे दोषों पर

मेरे दोषों की हूँ मैं गुहारी  
27/10/21 की हूँ

→ सुकेश प्रसाद - किराण



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-301

5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता

- |   |  |
|---|--|
| 1. कंदारनाथ अग्रवाल -                                 | 1. बसती रुका - <i>बसती रुका से लोटेही करे</i>  |
| 2. नागार्जुन -  | 1. <input checked="" type="checkbox"/> <i>सकल को फिरले-बेखा है। आरुण की लकड़क</i>          |
| 3. रामचारी सिंह दिनकर -                               | 1. <input checked="" type="checkbox"/> <i>समय योग है। <del>सकल को फिरले-बेखा है।</del></i> |
| 4. माखनलाल जयवर्धनी<br><i>प्रभात/रात/चंद्र/वाटिका</i> | 1. <input checked="" type="checkbox"/> <i>मुख की अश्लेषा पदमित्री की चित्त</i>             |
| 5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' -           | 1. कलगी बाजरे की   |
| 6. भवानी प्रसाद मिश्र -                               | 1. <input checked="" type="checkbox"/> <i>मीताफरोस <del>सकल को फिरले-बेखा है।</del></i>    |
| 7. रघुवीर सहाय -                                      | 1. रामदास  |
| 8. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -                           | 1. <input checked="" type="checkbox"/> <i>सुन्दरे साक रहकर देस अगल के वनी गल गले होत</i>   |
| 9. मिस्त्रिजगन्नाथ माधुर<br><i>सुन्द (11/2/2001)</i>  | 1. <input checked="" type="checkbox"/> <i>छाया गत छूना मन-<br/>रु अजीब दिन, पकितता</i>     |



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-302

### 6. भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- शैति सिद्धान्त – शैति की अवधारणा, शैति एवं गुण, शैति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-303

### 7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो - काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू - अनुकृति एवं विरेचन।
- लॉजाइंगस - काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- यद्सर्वार्थ - काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज - कल्पना और फैंटेसी।
- ब्लेचे - अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट - परम्परा और निर्व्यक्तितक प्रतिभा, निर्व्यक्तिकता का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचर्ड्स - मुख्य सिद्धान्त, सम्बोधन सिद्धान्त।
- नई समीक्षा। मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-401

## 8. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिम विज्ञान : स्वन, परिभाषा, ध्वनीन्द्रियाँ,  
स्वनों का वर्गीकरण - स्थान और प्रवृत्त के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिम विज्ञान - शब्द और रूप (पद), पद विभाग - नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान - शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा छत्ती बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।





पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-402

9. हिंदी उपन्यास

- गबन - प्रेमचंद
- स्वामीयत्र - जैनेन्द्र कुमार - चिबलेवा - अगवती - लक्ष्मी
- मृगयन्तनी - वृंदावन ज्ञान वर्मा - अपला मेघर्ष - काशीराम सिंह
- मानस का इंस - अमृतलाल नगर
- महाभोज - मन्नु भंडारी  
2-वर्ष सुग - गिरधर किशोर



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-403

### 10. हिंदी कहानी

- उसने कहा था : बंदल हर्ष दुली
  - पूस की रात : प्रेमचंद
  - आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
  - हार की जीत : सुदर्शन
  - ~~प्याजेब~~ <sup>रेवत</sup> : ~~वैशंपते~~ <sup>अज्ञेय</sup> कुमान
  - सीसरी कासम : पद्मसुन्दर रेवत <sup>आदिम रात श्री गन्ध</sup>
  - गिस पाल : मोहन राकेश <sup>- उरली रोटी</sup>
  - परिन्दे : विनोद खन्ना
  - दोपहर का भोजन : अमरकांत
  - ~~सिक्का बदल~~ गया : कृष्णा सोबती <sup>- बादलों के घेरे</sup>
  - पिता : ज्ञानसंजय
- कपरी उषा प्रियंदा



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C - 501

11. हिन्दी नाटक एवं एकांकी

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश
- माघवी : भीष्म साहनी

हुत खराबिनी

एकांकी

- 1 • औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
- विषकन्या : गोविन्द वल्लभ पंत
- और यह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर
- 2 • भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर

3 अंकी वेदी — उपेन्द्रनाथ अत्रेय



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-502

12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विषय

- सरदार पूर्ण सिंह- मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल - करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - देवदारु - उज्ज्वल के फूल
- विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय - महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामपूज बेनीपुरी - रजिया
- डॉ. नगेन्द्र - चादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नदीन' ✕
- माखनलाल चतुर्वेदी - तुम्हारी स्मृति
- विष्णुकान्त शास्त्री - ये हैं प्रोफेसर शशांक ✕



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-601

### 13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

- साहित्यिक पत्रकारिता: अर्थ, अवधारणा और महत्व।
- भारत-न्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विपदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदुस्तान आज, स्वदेश प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जगसल्ला।



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-602

#### 14. प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अध्यापक व्यावसायिक पत्र-लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति



**B.A. (HONOURS) HINDI**

**DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)**

1. लोक साहित्य

2. राष्ट्रीय काव्यधारा

3. छायावाद

4. प्रेमचंद

B. A. 2<sup>nd</sup> Sem

B. A. II<sup>nd</sup> Sem



## 1- लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियों, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथारुढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरें, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।





130016

## 2-राष्ट्रीय काव्यधारा

- 1- मैथिलीशरण गुप्त - (प्रतिनिधि कविताएँ - मैथिलीशरण गुप्त)  
क- मातृभूमी -  
ख - निरख सखी ए खंजन आये भारत-भारती - उत्तरी
- 2- माखनलाल चतुर्वेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - माखनलाल चतुर्वेदी)  
क- कैदी और कोकिला मेरी शकुनी  
ख- जलियावाला बंदी
- 3- सोहनलाल द्विवेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - सोहनलाल द्विवेदी)  
क- कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती  
ख- बड़े चलो बड़े चलो
- 4- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (प्रतिनिधि कविताएँ - बाल कृष्ण शर्मा नवीन)  
क- विप्लव गायन मेरे गगन, मेरे विशाल  
ख - हम अनिकेतन
- 5- रामधारी सिंह दिनकर (प्रतिनिधि कविताएँ - रामधारी सिंह दिनकर)  
क- कलम आज उनकी जय बोल  
ख- गांधी

जयशंकर प्रसाद - अरुण यह मधुमय  
स्मितादि नग

सुभद्रा कुमारी चौहान - डॉली की रानी



### 3- छायावाद

जयशंकर प्रसाद -

- 1- आंसू काव्य खंड के प्रथम 15 पद (सन्दर्भ- आंसू खंड काव्य )
- 2- ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे-धीरे (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें -जयशंकर प्रसाद )
- 3- अरुण-यह-मधुमय देश हमारा (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें -जयशंकर प्रसाद )

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

- 1- ध्वनि ~~हमें मिट्टी लह गया तो सही पत्थर~~
2. बादल राग -6
3. बांधो न नाव इस ठांव बंधु ( समस्त कवितायें राग विराग संग्रह से )

सुमित्रानंदन पंत

- 1- नौका-बिहार ✓ हुता श्रो जगत के जीवित
2. मौन निमंत्रण ✓
3. मोह ( सन्दर्भ- समस्त कवितायें तारापथ संकलन से )

महादेवी वर्मा

- 1- जो तुम आ जाते एक बार
2. मधुर मधुर मेरे दीपक जल
3. पंकज कली (सन्दर्भ-समस्त कवितायें प्रतिनिधि कवितायें महादेवी वर्मा से )



#### 4. प्रेमचंद

- उपन्यास - सेवासदन
- नाटक - कर्बला
- निबंध - साहित्य का उद्देश्य
- कहानियाँ - पूस की सत, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा। (प्रतिनिधि कहानियाँ - प्रेमचंद)

*प्रतिनिधि*



**B.A. (HONOURS) HINDI**  
**GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)**

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-101

1. कला और साहित्य

- कला और साहित्य का अंतःसंबंध *कला के रूप*
- कला और समाज का अंतःसंबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्त्व और उपकरण *कला के शाश्वत तत्व*
- भारतीय कला का विकास *भारतीय कला का विकास*
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय मूल्य
- कला और हिन्दी साहित्य के सम्बंध की परंपरा
- लोक-कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाट्य कला

रवर्स क

1. कला के रूप
2. कला और समाज  
~~कला का~~ भारतीय सौंदर्यशास्त्र और कला
3. के शाश्वत तत्व
4. लोक ~~साहित्य~~ <sup>साहित्य</sup> की अवधारणा

रवर्स से

- ① अंधेर नगरी — भारत का सौंदर्यशास्त्र
- ② ~~अंधेर नगरी~~ आँसू में लगे — हस्ताक्षर परमाणु
- ③ मरुत — नागालुंग



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-102

## 2. आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
  - भारतीय साहित्य और राष्ट्रियता
  - महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
  - ✓ • मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- पाठ्य पुस्तकें  
(उपन्यास)
- आनंद मठ - बंकिम चंद्र
- ✓ मृत्युंजय - शिवाजी सावंत
- अन्वरण - वैरम्भ शंकर - डॉ. आर. इन्द्रप्रकाश
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ - प्रतिनिधि 5 कविताएँ



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-201

3. पार्श्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

- अभिव्यञ्जनावाद
- स्वच्छन्दतावाद
- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फ़ैटेरी
- मिथक एवं प्रतीक



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-202

#### 4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्टाज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्टाज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्टाज और फीचर लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साप्ताहिक (इन्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साप्ताहिक-प्रविधि, महत्व।
- स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और साप्ताहिक पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, जानकारीक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।





**B.A. (HONOURS) HINDI**

**ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY  
COURSE (AECC)**

1. हिंदी व्याकरण और संप्रेषण
2. हिंदी भाषा और संप्रेषण - एक 2-11 गीतों का संग्रह



### 1. हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोपिप्तायां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- सम्प्रेषण की अक्षारणा और महत्त्व
- सम्प्रेषण के प्रकार
- सम्प्रेषण के माध्यम
- सम्प्रेषण की तकनीक:
- अभ्यसन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- सजावटकार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन



## 2. हिंदी भाषा और सम्प्रेशन

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत।
- व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अधोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा सन्धि।
- भाषा सम्प्रेशन के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।



**B.A.(HONOURS) HINDI  
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)**

1. रचनात्मक लेखन
2. साहित्य और हिंदी सिनेमा



## 1. रचनात्मक लेखन

- रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत  
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया  
विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन,  
विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ  
जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति  
लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर,  
नाट्य-पाठ्य
- रचनात्मक लेखन : भाषा-संदर्भ  
अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग,  
नव्य-प्रयोग  
भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचनात्मक लेखन : रचना-कौशल-विश्लेषण  
रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं
- विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन  
क. कविता : स्वेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक  
ख. कथासाहित्य : कस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श  
ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म  
घ. विविध गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य  
ङ. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना
- सूचना-तंत्र के लिए लेखन  
प्रिंट माध्यम : कीबोर्ड-लेखन, यात्रा-वृत्तंत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा  
इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन



2.

### ● साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनताधिकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला का मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा - सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संवाद, सॉन्ड बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यक्तित्व, सिनेमाघर।
- ✓ हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्राथमिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतांत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का छद्म, सिनेमाई रसार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमिकाधिकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्म, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- ✓ साहित्य और सिनेमा : अंतर्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संदेहन का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :  
आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अक्षय कन्या, अनन्मेल-पत्नी, देवदास  
1947 से 1970 : मदन हस्तिना, दो औरों बाहर हथ, तीसरी कक्षा, नया दौर  
1970 से 1990 : गर्भ हवा, झूठे शोले, औंधी, आओर  
1990 से अद्यतन : हारे जमीं पर, धी इन्डियन, दिसवाले दुल्हनियां ले जायेंगे दुल्हन माई एम.बी.एस., पान सिंह तोमर, मेरी कॉम। वै. डी. कनीग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय  
(केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित 2009 अ. 25 के अंतर्गत राष्ट्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय)  
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)



Guru Ghasidas Vishwavidyalaya  
(A Central University Established by the Central Universities Act, 2009 No. 25 of 2009)  
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

## Scheme and Syllabus